Original

Item Code: 641 Participant Code: 25

आज पहली बार !

गायब नहीं होता...
गायब नहीं होता...
वह दृश्य अब भी गायब नहीं होता।
आज पहली बार!
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।
कितने साल तक
कितने साल तक मेरी माँ
वह बुरी साड़ी पहनते हुए चलता था।
आज पहली बार!
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।
मेरी पढ़ाई के लिए,
मुझे अच्छे भोज देने के लिए
वे बुरी साड़ी पहनते हुए चलता था

आज पहली बार !
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साढ़ी पहनते हुए खड़ा।
आज मैं मेरी माँ को एक साढ़ी दिया,
तब... तब उसकी आँखें चमक उठा
उसकी आँखें आँसु से भरा।
आज पहली बार !
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साढ़ी पहनते हुए खड़ा।
अब भी वह दृश्य मेरी मन में है।
लाला साढ़ी पहनते हुए मेरी माँ
अब भी मेरी मन में - एक इंद्रधनुष की समान
आज पहली बार !
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साढ़ी पहनते हुए खड़ा।
खुशी की आँसु से भरे मेरी माँ की आँखें
इंद्रधनुष की समान चमकता था।
उस लाला साढ़ी में वह कितना सुंदर था।

आज पहली बार!
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।
मुझे याद है कि कई सालों मेरी माँ की आँखें
आँसु से भरा था - खुशी की नहीं, दुःखी की।
आज पहली बार उसकी आँखें खुशी की आँसु से भरा।
आज पहली बार!
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।
उस दृश्य मेरी मन से गायब नहीं होना
रंगों से भरे एक इंद्रधनुष की समान
वह दृश्य अब भी मेरी मन में है।
आज पहली बार!
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ि पहनते हुए खड़ा।
मेरी एक सपना था कि
मेरी माँ को एक नए साड़ि देना।
आज वह संभव हुआ।

आज पहली बार !
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।
गायब नहीं होता...
गायब नहीं होता...
वह दृश्य अब भी गायब नहीं होता।
आज पहली बार !
आज पहली बार मेरी माँ
एक नए साड़ी पहनते हुए खड़ा।।